19–पालि

कक्षा–9

इस विषय में प्रश्न–पत्र 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे का होगा।

1–गद्य–पालि–जातकावलि पाठ 1 से 7 तक **15**

(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+8=10

(ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में। 05

2–पद्य–धम्मपद–यमक बग्गों से बाल बग्गों से बल बग्गों तक (पाठ 1 से 5 तक)– **15**

(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद। 05

(ख) दो बग्गों में से किसी एक बग्गों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश। 05

(ग) धम्मपद के पाठ 1 से 5 के अन्तवर्ती गाथा का उल्लेख। 05

3–अपठित–गद्य–निर्धारित पाठ (सोलानिसस जातक, जम्मसाटक जातक, उच्छङ जातक)। **05**

4–सहायक पुस्तक वोधिचर्या विधि– **10**

परित्राण परिच्छेद से आवाहन, महामंगल सुत्त, महामंगल गाथा–

(किसी एक गाथा की हिन्दी व्याख्या अथवा पूजा विधि का वर्णन)।

5–व्याकरण 3+2+5+5=**15**

(क) शब्द रूप–पुलिंग=बुद्ध पिक।

स्त्री लिंग–लता, रति।

नपुंसक लिंग–फल अट्ठि।

(ख) धातु रूप–वर्तमान काल–

पठ, गम, चुर, रूध सक, हिंस के रूप।

(ग) संधि–स्वर संधि–

सरोलोपी सरे, परोक्वचि, जव्देव, यव सरे, ए ओ न।

(घ) समास–

तत्पुरूष एवं बहुब्रीहि का सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण।

6–अनुवाद **05**

हिन्दी के पाँच वाक्यों का वर्तमान कालिक क्रिया में अनुवाद अथवा

निबन्ध–

पालि भाषा में पाँच वाक्य लिखना।

भगवा, बुद्धो, धम्मपद, ममविज्जालयों, जम्बू दीपो, सारनाथ चत्तारि अरिय–सच्चानि।

7–पालि साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय– **05**

प्रथम संगीत, सुतपिटक–दीघ निकाय, मन्झिम निकाय, संयुक्त निकाय, अंगुत्तर निकाय, खुद्दक निकाय।

निर्धारित पुस्तकें–

(1) पालिजातका षलि– पं0 बटुक नाथ शर्मा
प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।

(2) पद्य–धम्मपद– सम्पादित–भिक्षु धर्म रक्षित,
प्रकाशक–महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।

(3) बोधचर्या विधि– सम्पादित–भिक्षु धर्म रक्षित,
महाबोधि सभा, वाराणसी।

(4) व्याकरण–

(i) पालि प्रबोधि– अद्यादत्त ठाकुर एम0ए0–प्रकाशक–पुस्तक माला, लखनऊ।

(ii) मैनुअल ऑफ पालि– सी0सी0 जोशी, एम0ए0
ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

(iii) पालि महा व्याकरण– भिक्षु जगदीश कश्यप, एम0ए0

प्रकाशक–महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।

(iv) पालि व्याकरण एवं पालि–
साहित्य का इतिहास– ले0 राज किशोर सिंह,
प्रकाशक–विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

शैक्षिक सत्र 2023–24 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा)	**अगस्त माह**	**10 अंक**
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक**
3–चार मासिक परीक्षाएं		**10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।